



Vol. 10 No. 1

Half Yearly R&D News Bulletin of CSR&TI, Berhampore

June, 2016

## EDITORIAL



CSR&TI, Berhampore was established before independence and has a very rich glorious past of about 74 years. The institute though initiated her activities in the field of sericultural research to cater to the need of the farmers of West Bengal, a colossal expansion was followed for pro-offering service to the stakeholders of thirteen states. Over the years, the institute is in continuous research of the root problem of the industry with changing time and relentlessly trying to address those problems. The institute conducts research in all aspect of sericulture from soil to silk. The institute is assisting the state department and stakeholders of thirteen (13) states in the Eastern (5) and North-Eastern (8) regions of the country by providing various technological inputs for implementation of Central Sector Schemes, effectively to bring inclusive growth and help making their short term and long term. For long, West Bengal and Eastern part of the country were known as non-congenial zone for bivoltine sericulture due to climatic hazards but overcoming all those, bivoltine sericulture has been gaining momentum now.

The institute is implementing the Prime Minister's ambitious plan under Swacch Bharat Abhiyan on adoption of Adarsh Resham Gram at Mallikpur, Murshidabad, West Bengal for the socio-economic development and health hygiene of seri-farming families with the support of the DoT (Seri), W.B. and the District Administration, Murshidabad, W.B. in vertical as well as horizontal line.

It's a great pleasure that Vidyasagar University, Midnapore, West Bengal approved to the scientists as a guide of research scholar for in Sericulture for doing Ph.D. degree.

(Dr. Kanika Trivedy)  
Director

Chief Editor: Dr. Kanika Trivedy, Director  
 Editor: Dr. U. K. Bandyopadhyay, Scientist-D  
 Associate Editor: Dr. Dipesh Pandit, Scientist-D  
 Assistance: Shri Subrata Sarkar, Tech. Assistant  
 Shri Sanjib Roy, Tech. Assistant  
 Smt. S. Karmakar, Tech. Assistant  
 Design & DTP: Shri Tapas Maitra, Tech. Assistant

## ISO-CERTIFICATION



CSR&TI, Berhampore has been accredited with ISO 9001-2015 Certificate on 16<sup>th</sup> April, 2016. CSR&TI, Berhampore, West Bengal, is committed to offer quality standards in Sericulture Research & Development, Extension and HRD for overall development of the silk industry in Eastern & North-Eastern states of India, leading to sustainable and economic upliftment of our aim to maximize the satisfaction of Sericulture Stakeholders. Through our constant and dedicated efforts for continual improvement of the effectiveness of the Quality Management System in the region.

## VISIT OF DIGNITORIES

Hon'able Secretary, Textile visited the institute on 09.05.2016 and interacted with the officers and officials and expressed her satisfaction with the development of sericulture in the region.

Hon'able Member of Parliament, Shri Abhijit Mukherjee, Jangipur Constituency visited the institute on 09.06.2016 and interacted with the officers and officials and promised his all round assistance in development of sericulture in the region.



## पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार:

दिनांक 21.01.2016 को इस्पात भवन ऑडिटोरियम, आर.डी.सी.आई.एस. (सेल) डोरंडा, राँची में आयोजित "भारत के पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्यों के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन" में केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर को वर्ष 2014-15 के दौरान राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन व अनुपालन के लिए समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. पूनम जुनेजा, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, महोदया के कर-कमलों से तृतीय पुरस्कार अर्थात् राजभाषा शील्ड व प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

## हिंदी कार्यशाला की रिपोर्ट

के.रे.उ.अ.व.प्र.सं., बहरमपुर ने अपने केन्द्र तथा इसके अधीनस्थ केन्द्रों के सभी कार्मिकों व वैज्ञानिकों को राजभाषा हिंदी व भारतीय संविधान में अधिसूचित अन्यान्य भारतीय भाषाओं में शत-प्रतिशत [100%] टंकण कार्य हेतु समर्थ बनाने के लिए एक अभिनव एवं महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सभी केन्द्रों में से केरेउअवप्रसं, बहरमपुर द्वारा इस प्रकार के अनूठे हिंदी कार्यशाला का आयोजन अपने आप में प्रथम और एक अद्वितीय प्रयास है, जिसके मार्फत से सभी पदधारियों को राजभाषा प्रावधानों और हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में टंकण करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिनांक 14.03.2016 को मुख्यालय के समस्त कार्मिकों व वैज्ञानिकों सहित इसके अधीनस्थ केन्द्रों के अधिकारियों अर्थात् कुल 134 कार्मिकों को दिया गया। इतना ही नहीं, इस संदर्भ में इस कार्यशाला की उपयोगिता और महत्ता को दृष्टिगत कर न केवल मुख्यालय के कार्मिकों व वैज्ञानिकों बल्कि इसके अधीनस्थ केन्द्रों अर्थात् क्षेरेउअके, कलिम्पोंग, जोरहाट, कोरापुट एवं राँची तथा इसके संबद्ध अनुसंधान विस्तार केन्द्रों के कार्मिकों को भी क्रमशः दिनांक 19.02.2016, 22.02.2016, 02.03.2016 एवं 05.03.2016 को हिंदी कार्यशाला आयोजित कर 55 कार्मिकों को भी उनके कार्यस्थल पर जाकर हाथ-हाथ प्रशिक्षित किया गया। इस प्रकार मुख्यालय समेत इसके अधीनस्थ केन्द्रों के कुल 189 कार्मिक प्रशिक्षित किए गए तथा यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। साथ ही कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षार्थियों को राजभाषा कार्यान्वयन के प्रयोजनार्थ भाग्व अगेंजी-हिंदी शब्दकोश समेत "कार्यालय दीपिका" की एक-एक प्रति भी मुहैया करायी गई ताकि वे सहजतापूर्वक अपना-अपना सरकारी कार्य सुगमता पूर्वक हिंदी में करने में समर्थ हो सके।



पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन का छायाचित्र



मुख्यालय के समस्त कार्मिकों व वैज्ञानिकों टंकण कार्यशाला का छायाचित्र

तत्पश्चात, श्री आर. बी. चौधरी, सहायक निदेशक [राभा] द्वारा "इंडिक लैंग्वेज इनपुट टाइपिंग प्रणाली" के माध्यम से हिंदी में टंकण कार्य करने संबंधी तकनीकी पहलुओं के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष की व्याख्या करते हुए इसके माध्यम से कंप्यूटर पर किस तरह सरलता से हिंदी में ही नहीं बल्कि संविधान की आठवीं सूची में दर्ज सभी भारतीय भाषाओं में टंकण कार्य किस प्रकार सहजता से किया जा सकता है, इस तथ्य पर पावर प्वाइंट के जरिये विशद रूप से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, उनके द्वारा उक्त टूल्स के सुगमता पूर्वक संस्थापन करने की क्रिया विधि की भी जानकारी दी गई, जिससे कार्यशाला में उपस्थित पदधारीगण अत्यंत प्रभावित तथा लाभान्वित हुए।

कार्याशाला के समापन सत्र के अवसर पर संस्थान की निदेशक महोदया ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण के दौरान इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि हिंदी के विकास व प्रगति में इस प्रकार के विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन अत्यंत सराहनीय है और हमारा आगे भी यह प्रयास रहेगा कि हम इस प्रकार के कार्यशालाओं का आयोजन भविष्य में भी करें ताकि हम इससे तथा राजभाषा के क्षेत्र में विकसित नित-नये प्रविधियों से आगे भी लाभान्वित हो सके। उन्होंने आगे यह भी कहा कि मुझे विश्वास है कि इससे सभी पदधारियों को भरपूर लाभ मिला होगा और वे इसका उपयोग अपने दैनान्दिन के सरकारी कामकाज में भी सरलता पूर्वक कर सकेंगे।

## नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 31वीं बैठक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बहरमपुर (प.बं.) की 31वीं बैठक संस्थान की निदेशक महोदया, डॉ. कणिका त्रिवेदी, की अध्यक्षता में दिनांक 29.04.2016 को अपराह्न 3.00 बजे केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर के बैठक कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर स्तर पर राजभाषा प्रावधानों के सम्यक कार्यान्वयन व अनुपालनों संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए तथा नगर स्तर पर सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में की जा रही कार्रवाई व प्रगति की समीक्षा भी की गई।



मुख्यालय के समस्त कार्मिकों व वैज्ञानिकों टंकण कार्यशाला का छायाचित्र

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति 31वीं बैठक का छायाचित्र

## FERTIGATION: A NEW TOOL FOR EFFICIENT WATER AND FERTILIZER MANAGEMENT IN MULBERRY

An approach for efficient utilization of water and fertilizers is necessary to enhance Mulberry leaves productivity. Fertigation is a tool to supply the daily demand of water and nutrients to plants throughout its development to achieve maximum efficiency of applied fertilizer. By this, readily soluble nutrients can be supplied directly to the root zone thereby maximizing nutrient efficiency and minimizing over fertilization and leaching loss.

Fertigation is the application of nutrients, precisely, uniformly and at required rates along with irrigation water, mainly through drip irrigation. In Fertigation, all the three major nutrients (NPK) are applied in one solution directly to the active root zone, thus minimizing the loss of expensive nutrients which ultimately helps in improving productivity and quality of produce. It also saves time, labour and energy. Fertigation can be done either through manually or fully automated computer controlled irrigation systems.

Ventury is used as a fertigation device for injecting the fertilizer solution through drip irrigation system. It is widely used in small irrigation system because of its simplicity and low cost. Suction rate varied between 120-2000 litres/hr based on the size of the ventury. The cost is approximately Rs.1200 per unit (3/4" ventury).



Mulberry plantation (Bush)

Application of nutrients through

## RESHAM KRISHI MELA - CSR&TI, BERHAMPORE

*Resham Krishi Mela, 2016* was successfully organised by the CSR&TI, Berhampore at the institute campus on 4<sup>th</sup> February, 2016. The programme was presided over by Dr. Kanika Trivedy, Director CSR&TI Berhampore. The seat of the Chief Guest was Shri Shiladitya Halder, Sabhadhipati, Murshabad Zilla Parishad. Shri A. K. Pani, DD, DoT (Seri.) Govt. of West Bengal; Dr. K. Mondal, Sci-D ZSSO Malda, Shri M.S.Mondal, Pradhan – NREGS, Shri Nil Ratan Adhya, Chairman – Berhampore Municipality, Mr. Abhijit Biswas, Principal – Govt. College of Textile Technology and Mr. Sakira Murmu – representative DoS Jharkhand graced the occasion.

Shri Shiladitya Halder, Sabhadhipati pointed out this mela with a different flavour as it encircles around a living thing and is also a means of livelihood for millions. He opined that the people in this profession should feel themselves proud to have such a sericultural congregation and they should reap the benefits from it to the fullest extent.

Shri A. K. Pani, DD DoT(S), Govt. of West Bengal expressed his pleasure on the different states being represented in this mela, and meet among the farmers of different zones, administrators and scientists where views are exchanged keeping in target further prosperity in sericulture.

At the mela ground, separate exhibition stalls were made showing display boards, practical demonstrations for the beneficiaries. In addition, private entrepreneurs like *Nabagram Resham Shilpa Unnayan Co-operative Society Limited*, *Sericare* and others demonstrated their products.

"*Resham Krishi Barta*" a quarterly sericulture magazine of CSR&TI Berhampore and 11 other booklets, leaflets and pamphlets were released on the occasion.



Director &amp; Guests are releasing booklets and leaflets



A farmer is being awarded for good rearing

## RESHAM KRISHI MELA - JORHAT

*Resham Krishimela* was organized by RSRS, Jorhat, Assam on 23<sup>rd</sup> January, 2016. The function was graced by Shri Basanta Das, Hon'ble Minister, Govt. of Assam as Chief guest, Dr. Kanika Trivedy, Director, CSR&TI, Berhampore, Dr. K. K. Nath, Principal, Mangaldai College as Guest of honours and presided over by Shri Jogesh Deuri, DoS, BTC, BTAD, Assam. About 450 farmers from Mangaldoi areas of Darrang district and Udalguri district of were participated in the mela.

At the outset, Dr. S.N. Gogoi, Sci-D, RSRS, Jorhat welcomed all the distinguished guests, DoS officials, Scientists, and farmers. He gave a brief account on the developed technologies of research institutes of CSB. Shri Sarat Deori, Jt. Secretary (Tech), RO, Guwahati advised the farmers to get the benefit of these technologies for their socio-economic upliftment through sericulture. Dr. K. Trivedy, Director, CSR&TI, Berhampore explained the scope of mulberry sericulture in NE states. She mentioned Mangaldoi and adjacent districts of Udalguri and Baksa of BTC as potential zone which are coming up well under bivoltine CPP, IBSDP & ISDP of NERTPS. She also advised the Scientists and DoS staff to work jointly for development of sericulture. The Chief Guest, Shri Basanta Das, Hon'ble Minister advised the farmers to get the benefit of sericulture from the CSB. In presidential address, Shri Jogesh Deuri, Director of Sericulture, BTC explained about present trend of mulberry sericulture in the area under Bivoltine CPP, IBSDP and ISDP (under NERTPS) of CSB. He also opined that farmers should take more interest for development considering the importance of the schemes where Govt. is giving all the facilities including training & conducting ECPs.



Shri Basanta Das, Hon'ble Minister, Chief Guest lighting the sacred lamp



Release of Booklets &amp; Pamphlets published in different languages

### Guest Lecture on Fire Fighting

A workshop was organised by CSR&TI, Berhampore at the institute on 10<sup>th</sup> May, 2016 on fire fighting. The programme was presided over by Dr. Kanika Trivedy, Director, CSR&TI Berhampore. Shri Kajal Nandi, Station Officer, Fire Brigade, Berhampore delivered his lecture on fire fighting, fire safety, positive **environmental** action and protect the nature.



### World Environment Day

**World Environment Day** was observed on 5<sup>th</sup> June, 2016. Dr. Kulandaivel, IFS, Deputy Conservator of Forest, Govt. of WB was the chief guest. The function was started with **Vande Mataram** and watering to the mulberry plant by chief guest and Director, CSR&TI, Berhampore. Director, has felicitated the chief guest and delivered inaugural speech. All the scientists, officials and PGDS students & trainees were assembled at the field and planted sapling of Mahogany individually. A total of 250 no's of mahogany saplings was planted. Besides, all the saplings were individually tagged with number and the name of the person's entered in the register for personal attachment and maintenance.



### International yoga day

**2<sup>nd</sup> International yoga day** was celebrated on 21.06.2016 in the institute to create awareness among the officials and to get harmony & peace. A renowned yoga guru Shri Sagar Ghosh was invited as Chief Guest to demonstrate yoga. He was felicitated by Dr. Kanika Trivedy, Director CSR&TI, Berhampore by offering flowers. While welcoming the chief guest Director spoke about the importance of yoga which was evolved by our ancestors to keep our body and mind healthy. Participants practiced yoga under his guidance.



### TECHNOLOGY DEMONSTRATION

A Technology demonstration prog. was organised by REC, Aizawl in association with DoS, Govt. of Mizoram on 16<sup>th</sup> June, 2016 at Thingsulthliah village. 38 nos. of seri farmers were attended the programme. Dr. L. Pachau, Sci- C explained the farmers about the late age rearing techniques-particularly mounting techniques which often farmers neglect.



### Pamphlet, Booklet & Brochure Published:

1. **Ghar Sodhan** - A fumigant room disinfectant for disinfecting rearing houses and its appliances (Bengali).
2. **Resham Chashe Kencho Sar wo Vermicompost** (in Bengali).
3. **Resham kit palan Griha abong Resham Kit Palan ke liea jarurat Samano ka Bisamankram ke Abashyakata.** (in Hindi and Bengali).



### R&D REVIEW MEETING CONDUCTED

- Zonal Bivoltine Cluster Promotion Review Committee meeting (ZBCPRC) for Eastern & North-Eastern zones held on 15<sup>th</sup> March, 2016.
- 44<sup>th</sup> Research Council (RC) meeting of CSR&TI, Berhampore was held on 13<sup>th</sup> April, 2016
- 43<sup>rd</sup> Meeting of Research Advisory Committee (RAC) held on 16<sup>th</sup> - 17<sup>th</sup> March, 2016.

### Articles for News & Views

Director, CSR&TI, Berhampore determined to publish this half yearly news bulletin regularly on promising research findings, ToT, Field Trials, Demonstrations, Farmers' Day, Training Programme and other important events. Officers and Staff members working at this Institute, RSRs, RECs and Sub-RECs of Eastern and North Eastern states are requested to send their articles in favour of Director, CSR&TI, Berhampore (WB) for the said publication. Communication may also be made by e-mail: [csrtiber.csb@nic.in](mailto:csrtiber.csb@nic.in)/ [csrtiber@gmail.com](mailto:csrtiber@gmail.com)



Published by: **Dr. Kanika Trivedi, Director**  
Central Sericultural Research & Training Institute  
**CENTRAL SILK BOARD**, Ministry of Textiles, Govt. of India, Berhampore – 742 101 (W.B.)

Phone: 03482-251046, FAX: 03482-251233/ 253930 EPBAX: 253962/63/64  
email: [csrtiber.csb@nic.in](mailto:csrtiber.csb@nic.in)/ [csrtiber@gmail.com](mailto:csrtiber@gmail.com) website: [www.csrtiber.res.in](http://www.csrtiber.res.in)